<u>निमंत्रण</u>

स्वराज पंचायत

7-8-9 अक्टूबर 2025
विद्या आश्रम, सारनाथ

बहुजन की पहल पर स्वराज निर्माण

पिछले कुछ समय से वैश्विक पैमाने पर राष्ट्र और राज्य की कल्पनाओं पर नई बहस आकार लेती रही है. ये बहस ज्यादातर दक्षिण अमेरिका में मूल निवासियों की नई राजनीति के उदय और दुनियाभर में कई देशों में नवरूढ़िवादियों (नियो कंज़र्वेटिव) की सरकारें बनने के चलते अस्तित्व में आई है. जिन विचारों के इर्द-गिर्द ये बहस हो रही है वे हैं **– बहुराष्ट्रीय-राज्य (प्लूरिनेशनल-स्टेट), सभ्यतागत-राज्य (सिविलिज़ेशनल-स्टेट), राष्ट्र-राज्य (नेशन-स्टेट), उदार लोकतंत्र (लिबरल डेमोक्रेसी), सांस्कृतिक राष्ट्रवाद (कल्चरल नेशनेलिस्म). इस सबके बीच क्या 'स्वराज' पर बात करने की जगह बनती है? क्या स्वराज के नाम पर एक नई राजनीति के उदय की संभावना बनती है? क्या किसान आन्दोलन के 'न्याय, त्याग और भाईचारा' के नारे/मूल्य इस वैश्विक बहस में शामिल करने की पहल बहुजन समाज ले सकता है?**

यह 'बहुजन' और 'स्वराज' पर एक बहुआयामी ज्ञान संवाद/विमर्श के आयोजन का प्रस्ताव है, जिसमें उपरोक्त प्रश्नों के सन्दर्भ में विविध वैचारिक कोणों से विचार किया जायेगा.

पहला दिन: बहुजन ज्ञान विमर्श

- बहुजन की पहचान
- बहुजन-समाज का दर्शन - न्याय, त्याग और भाईचारे की परम्परायें
- बहुजन की राजनीतिक और आर्थिक विरासत
- बहुजन सशक्तिकरण में आरक्षण की भूमिका
- बहुजन की शक्ति का ज्ञान आधार-लोकविद्या

दूसरा दिन: स्वराज ज्ञान पंचायत

- क्या सामाजिक न्याय आन्दोलन का लक्ष्य स्वराज हो सकता है?
- क्या अमरपुरी, बेगमपुरा... के मूल्य स्वराज में आकार ले सकते हैं?
- क्या व्यापक बहुजन चेतना 'स्वराज चेतना' है?
- आज स्वराज की ओर बढ़ने में साहित्य और कला की भूमिका
- स्वायत्तता, स्थानीय बाज़ार, स्थानीय स्वशासन, लोकपहल और लोकविद्या की स्वराज में भूमिका

तीसरा दिन : प्रस्ताव

दो दिन हुई चर्चाओं को समाहित करते हुए एक वक्तव्य पेश हो. उस पर चर्चा हो. क्या **बहुजन** और **स्वराज** पर किया गया यह ज्ञान-संवाद/विमर्श हमें स्वराज पंचायत के नाम पर आगे बढ़ने का आधार देता है? यदि हाँ, तो उस प्रक्रिया पर बात हो और एक ठोस निर्णय पर पहुँचने का प्रयास हो.

संभावित वक्ता

राहुल राजभर, रामजी यादव, सुनील कश्यप, रामजनम, फ़ज़लुर्रहमान अंसारी, पारमिता, हरिश्चंद्र, लक्ष्मण प्रसाद, अनूप श्रमिक, धनञ्जय, अली अनवर, लोटन राम निषाद, मुनीज़ा खान, सुरेश प्रताप सिंह, युद्धवीर सिंह, आनंद कुमार (स्वराज अभियान), सृष्टि वाजपेयी (विकल्प संगम), नीरज (लोकायत), खाप पंचायत से, कृष्णस्वरूप आनंदी (स्वराज विद्यापीठ), रामाज्ञा शशिधर (हिंदी साहित्यकार), समता परिवार बी.एच.यू., छेदीलाल निराला, राजीव यादव, एकता शेखर, चित्रा, सुनील, कृष्णराजुलु, कृष्ण गाँधी, गिरीश.